THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI MUFTI MOHAMMAD SAYEED) : (a) Yes Sir.

(b) The Government of Punjab have reported that necessary orders had been issued on Mareh 17, 1990.

(c) Does not arise.

Financial assistance to migrants to Punjab

1959. SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) the details of the facilities, financial assistance etc. admissible from the Government of Punjab to such families as migrated to Punjab because of anti-Sikh riots of November 1984;

(b) the district-wise number of such families who are still in Punjab and have not been given any or some of the admissible facilities, and assistance; and

(c) what are the reasons for the same ?

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI MUFTI MOHAMMAD SAYEED): (a) to (c) Detailed information is being collected from the Government of Punjab and will be laid on the Table of the House.

Steady improvement in Shipping Industry

1960. SHRI BHAGATRAM MANHAR:
SHRI BIR BHADRA PRATAP SINGH:

Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether there has been a steady improvement in the shipping dustry and its financial viability in recent years; if so, what are various factors indicative of recovery;

(b) what are the names, ages and ownerships of various ships in the Indian Merchant fleet; and

(c) what was India's "gross registered tonnages" (GRT) during 1985, 1986, 1987, 1988 and 1989; and what it is likely to be during the next three years i.e. 1990, 1991 and 1992 ?

THE MINISTER OF SURFACE TRANSPORT WITH ADDITIONAL CHARGE OF THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI K. P. UNNIKRISHNAN):

(a) There has been general improvement in the shipping industry since October, 1987. Some of the major factors indicative of recovery are rise in world seaborne trade, higher freight rates and decrease in laid up tonnage.

(b) Details of names, ages and ownerships of various ships in the Indian Merchant fleet as on 31-12-1989 are given in Annexure. (*See* Appendix CLIII Annexure No. 82).

(c) Gross registered tonnages (GRT) during 1985 to 1989 was as under :—

Year	(In Million GRT)
1985 . . .	6.17
1986 . . .	5.61
1987 . . .	5.55
1988 . . .	5.82
1989 . . .	6.08

At this stage it is not possible to indicate the likely tonnage during the years 1990, 1991 and 1992. The exact GRT in each year would depend on the one hand upon the

No. of proposals for acquisition approved and the number and tonnage of vessels actually delivered during the above years, and on the other hand, on the number and tonnage of vessels scrapped.

प्रधान मंत्री, उप-प्रधान मंत्री, गृह मंत्री और उनके परिवारों को सुरक्षा प्रदान किया जाना

1961. **श्रीमती सत्या बहिन :** क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि प्रधान मंत्री, उप-प्रधान मंत्री, गृह मंत्री और उनके परिवार के सदस्यों की सुरक्षा के प्रबन्ध के कार्य में लगे व्यक्तियों की संख्या क्या है; सरकार द्वारा इन व्यक्तियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए किए गए सुरक्षा प्रबन्धों पर कितना मासिक व्यय किया जा रहा है ?

गृह मंत्री (**सुश्री मोहसिना किदवई**) : विशेष सुरक्षा ग्रुप प्रधान मंत्री और उनके परिवार के सदस्यों की समीपस्था सुरक्षा प्रदान करता है । विशेष सुरक्षा ग्रुप के अलावा अन्य एजेंसियां जैसे दिल्ली पुलिस, केन्द्रीय पुलिस संगठन और प्रधान मंत्री के राज्यों के संघ शासित क्षेत्रों के दौरों के दौरान राज्य और संघ शासित क्षेत्र के पुलिस के अधिकारी प्रधान मंत्री को सुरक्षा देने में अंतर्ग्रस्त हैं। प्रधान मंत्री, उप प्रधान मंत्री और गृह मंत्री सहित केन्द्रीय मंत्रियों के लिये सुरक्षा प्रबंध दिल्ली पुलिस, केन्द्रीय पुलिस संगठन और दिल्ली से बाहर राज्यों के दौरों के दौरान संबंधित राज्य सरकार/संघ शासित क्षेत्र पुलिस द्वारा किये जाते हैं । प्रधान मंत्री, उप प्रधान मंत्री और गृह मंत्री और उनके परिवार के सदस्यों की सुरक्षा में तैनात सुरक्षा कार्मिकों की संख्या और उनके तैनातियों के ब्यौरे बताना जनहित में नहीं होगा ।

पिछले तीन महीनों के दौरान एस० पी०जी० कार्मिकों के वेतन दिहाड़ी और यातायात खर्चे पर हुआ औसत मासिक खर्च 31,59,460 रुपये का है । सुरक्षा पर दिल्ली पुलिस द्वारा किया गया खर्च अलग-अलग है जो स्थिति और वास्तविक तैनातगी पर निर्भर करता है ।

मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग

1962. **श्री अजीत जोगी :**
श्री सोहन लाल धूसिया :

क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार आठवीं पंचवर्षीय योजना अवधि के दौरान मध्य प्रदेश में कुछ सड़कों को राष्ट्रीय राजमार्गों में परिवर्तित करने का विचार रखती है;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ग) इस संबंध में मध्य प्रदेश सरकार द्वारा भेजे गए प्रस्तावों पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

जल-भूतल परिवहन मंत्री साथ में **संचार मंत्रालय** का **अतिरिक्त प्रभार** (**श्री के. पी. उन्नीकृष्णन्**): (क) से (ग) आठवीं पंचवर्षीय योजना (1990–1995) को अभी अंतिम रूप दिया जाना है, अतः इस समय उन सड़कों के नाम एवं लम्बाई को बताया जाना संभव नहीं है जिनको राष्ट्रीय राजमार्ग ग्रिड में शामिल किया जा सकता है ।

मध्य प्रदेश में जनगणना कार्य में लगाए गए व्यक्तियों को वैकल्पिक रोजगार

1963. **श्री अजीत जोगी :**
श्री सोहन लाल धूसिया :

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 1981 में मध्य प्रदेश में सरकारी तौर पर जनगणना कार्य में लगाये गए बहुत से व्यक्तियों को अभी तक वैकल्पिक रोजगार उपलब्ध नहीं कराया गया है ;

(ख) यदि हां, तो ऐसे व्यक्तियों की संख्या कितनी है ; और